DAILY CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

07 APRIL 2025

THE HINDU

The Indian EXPRESS

Hindustan Times

दैनिक जागरण

जनसत्ता

UPSC(IAS/PCS) AND ALL COMPITETIVE EXAM

PIB

THE HINDU

The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE

ABHAY SIR

Events in News

- शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन: एक पर्यावरणीय चेतावनी
- राष्ट्रीय समुद्री दिवस
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण" सम्मान
- वाट फो मंदिर (Wat Pho)
- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 311: सिविल सेवकों की सुरक्षा

Result Mitra
शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन: एक पर्यावरणीय चेतावनी

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: शाहाबाद जंगल बचाओ आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह आंदोलन बिहार के शाहाबाद क्षेत्र में आदिवासी समुदायों द्वारा शुरू किया गया था।
2. इसका मुख्य उद्देश्य वन अधिकारों की रक्षा और जंगल की अंधाधुंध कटाई को रोकना था।
3. यह आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ और इसे "जंगल बचाओ आंदोलन" के हिस्से के रूप में भी देखा जाता है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **परिचय:**
- राजस्थान के बारां जिले में स्थित जैव विविधता से भरपूर शाहबाद जंगल में प्रस्तावित शाहपुर पंप स्टोरेज परियोजना को लेकर पर्यावरणविदों और आम नागरिकों द्वारा व्यापक विरोध किया जा रहा है।
- "शाहबाद जंगल बचाओ" नामक इस आंदोलन ने केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुँचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा है, जिसे झालावाड़-बारां से सांसद दुष्यंत सिंह ने प्रस्तुत किया।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **विवाद का मूल कारण:**
- इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शाहबाद जंगल में प्रस्तावित शाहपुर पंप स्टोरेज परियोजना के कारण चार लाख से अधिक पेड़ों की कटाई को रोकना है।
- यह परियोजना ग्रीनको एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही है, जिसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- यह परियोजना 624.17 हेक्टेयर भूमि पर फैली होगी, जिसमें से 408 हेक्टेयर जंगल क्षेत्र है। यह क्षेत्र शाहबाद संरक्षण रिजर्व के अंतर्गत आता है, जो कि वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2022 की अनुसूची-I के तहत संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों का निवास स्थान है।

- **परियोजना का स्वरूप:**
- शाहपुर पंप स्टोरेज परियोजना एक ऑफ-स्ट्रीम क्लोज्ड लूप जलविद्युत परियोजना है, जिसके तहत दो कृत्रिम जलाशयों का निर्माण किया जाएगा।
- प्रस्तावित योजना के अनुसार, निचले जलाशय को भरने के लिए कुनो नदी से जल पंप किया जाएगा।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **पर्यावरणीय चिंता के प्रमुख बिंदु:**
- **1. जैव विविधता पर खतरा:** यह जंगल कुनो नेशनल पार्क से मात्र 15 किमी की दूरी पर स्थित है, जहाँ प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों को बसाया गया है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि परियोजना के कारण शोर, वनों की क्षति और जल संसाधनों पर दबाव से चीतों के आवास व स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

- **2. वृक्षों की कटाई और कार्बन सिंक का नुकसान:** अनुमान है कि इस क्षेत्र के जंगल हर वर्ष लगभग 22.5 लाख मीट्रिक टन CO_2 अवशोषित करते हैं।
- वृक्षों की कटाई से यह प्राकृतिक कार्बन सिंक नष्ट हो जाएगा, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और गहराएगी।

- **3. स्थानीय समुदायों पर असर:** जंगलों पर आश्रित आदिवासी और स्थानीय समुदायों की आजीविका पर खतरा उत्पन्न होगा।
- इससे वन-आधारित संसाधनों पर उनकी निर्भरता बाधित होगी और विस्थापन की आशंका बढ़ेगी।
- **4. मृदा अपरदन और पारिस्थितिकी क्षति:** वृक्षों की जड़ों की अनुपस्थिति से मृदा कटाव बढ़ेगा और पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ेगा।

- **न्यायिक हस्तक्षेप:**
- 9 अक्टूबर 2024 को राजस्थान उच्च न्यायालय ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर स्वत: संज्ञान लिया था, जिनमें इस परियोजना के लिए 1.19 लाख पेड़ों की कटाई की योजना का उल्लेख था।
- न्यायालय ने पर्यावरणीय प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इस पर पुन: विचार की आवश्यकता जताई।

- **ज्ञापन की मुख्य बातें:**
- प्रधानमंत्री मोदी के नाम ज्ञापन में परियोजना के पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय खतरों को उजागर किया गया है।
- यह ज्ञापन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को भी सौंपा गया।
- इसमें राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना का भी उल्लेख किया गया है।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- "शाहबाद जंगल बचाओ" आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं, बल्कि भारत में विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण की बहस का जीवंत उदाहरण है।
- यह मामला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या विकास परियोजनाओं की मंजूरी देते समय दीर्घकालिक पारिस्थितिकीय संतुलन को पर्याप्त प्राथमिकता दी जा रही है?

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन – Short Notes**
- स्थान: शाहबाद जंगल, बारां जिला, राजस्थान
- कुनो नेशनल पार्क (मध्यप्रदेश) से 15 किमी दूर
- **विवाद का कारण:**
- शाहपुर पंप स्टोरेज हाइड्रोपावर परियोजना
- 4 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई की योजना

Source- Dainik Bhaskar

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **परियोजना का विवरण:**
- Greenko Energies Pvt. Ltd. द्वारा प्रस्तावित
- 624.17 हेक्टेयर भूमि (408 हेक्टेयर जंगल)
- Off-stream Closed Loop पंप स्टोरेज प्रणाली
- कुनो नदी से जलाशयों को भरने की योजना

- **पर्यावरणीय चिंताएँ:**
- जैव विविधता को खतरा
- चीतों के आवास व स्वास्थ्य पर असर (Project Cheetah)
- 22.5 लाख मीट्रिक टन CO_2 अवशोषण क्षमता का नुकसान
- मिट्टी कटाव व पारिस्थितिकी असंतुलन
- आदिवासी समुदायों की आजीविका पर प्रभाव

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

- **कानूनी पक्ष:**
- क्षेत्र "संरक्षित वन" और WPA 2022, अनुसूची-I के तहत
- राजस्थान उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लिया (9 अक्टूबर 2024)
- **ज्ञापन सौंपने वाले:**
- पर्यावरणविद प्रशांत पटानी, दीपक यादव सहित अन्य
- ज्ञापन प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, और पर्यावरण मंत्री को

- भारत में जल विद्युत परियोजनाएँ (Hydropower Projects in India)
- **मुख्य तथ्य :**
- **प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएँ (Major Hydropower Projects):**
- **महत्त्व:**
- 1. स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत: जलविद्युत एक हरित ऊर्जा स्रोत है, जो CO_2 उत्सर्जन नहीं करता।
- 2. लोड बैलेंसिंग: यह ग्रिड स्थिरता के लिए फायदेमंद है, खासकर पीक डिमांड के समय।

- 3. बांधों से सिंचाई और पेयजल: बहुउद्देश्यीय लाभ।
- 4. स्थानीय विकास: सड़क, बिजली, रोज़गार जैसी सुविधाएँ।
- **चुनौतियाँ:**
- 1. पर्यावरणीय नुकसान: जंगलों की कटाई, जैव विविधता को खतरा (जैसे शाहबाद जंगल मामला)।
- 2. स्थानीय विस्थापन: आदिवासी और ग्रामीण समुदाय प्रभावित।
- 3. भूकंपीय और भू-स्खलन जोखिम: खासकर हिमालयी क्षेत्र में।

- 4. जलवायु परिवर्तन: बर्फबारी व वर्षा में कमी से जल प्रवाह घट रहा है।
- 5. लंबा निर्माण समय और लागत: कई परियोजनाएँ समय से अधिक चलती हैं।
- **सरकारी पहल और नीतियाँ:**
- Hydropower Policy 2019: बड़े जलविद्युत (25 MW से ऊपर) को नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में वर्गीकृत किया गया।
- Pumped Storage Projects को बढ़ावा: ग्रिड स्थिरता हेतु (जैसे शाहपुर परियोजना)
- Financial incentives: जलविद्युत कंपनियों को टैक्स छूट और सस्ती फंडिंग

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: शाहाबाद जंगल बचाओ आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह आंदोलन बिहार के शाहाबाद क्षेत्र में आदिवासी समुदायों द्वारा शुरू किया गया था।
2. इसका मुख्य उद्देश्य वन अधिकारों की रक्षा और जंगल की अंधाधुंध कटाई को रोकना था।
3. यह आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ और इसे "जंगल बचाओ आंदोलन" के हिस्से के रूप में भी देखा जाता है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

व्याख्या:

• कथन 1 सही है: शाहाबाद क्षेत्र (अब बिहार का हिस्सा) में यह आंदोलन आदिवासी और स्थानीय ग्रामीण समुदायों द्वारा शुरू किया गया था।

• कथन 2 सही है: इसका उद्देश्य था जंगलों की रक्षा करना, और बाहरी ठेकेदारों द्वारा वनों की कटाई का विरोध करना।

• कथन 3 सही है: यह आंदोलन 1980 के दशक में शुरू हुआ था और "जंगल बचाओ आंदोलन" का ही हिस्सा माना जाता है, जो झारखंड, बिहार और उड़ीसा जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ था।

शाहबाद जंगल बचाओ आंदोलन

Daily Current News

Result Mitra

UPSC Mains :

प्रश्न: "जलविद्युत भारत की ऊर्जा आवश्यकता के लिए कितना महत्वपूर्ण है? इससे जुड़ी पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का विश्लेषण करें।"

Result Mitra
National
Maritime Day
राष्ट्रीय समुद्री दिवस

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: राष्ट्रीय समुद्री दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है।
2. इसकी शुरुआत भारतीय समुद्री क्षेत्र में पहले स्वदेशी जहाज के संचालन की स्मृति में हुई थी।
3. यह दिन 'SS Loyalty' जहाज के बॉम्बे से लंदन की पहली यात्रा की वर्षगांठ है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Result Mitra

- **उद्देश्य:**
- भारत के समुद्री इतिहास और समुद्री व्यापार की भूमिका को सम्मान देना
- समुद्री सुरक्षा, नौवहन और नाविकों के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- नीली अर्थव्यवस्था (Blue Economy) और सस्टेनेबल मरीन डेवलपमेंट को बढ़ावा देना

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

- **थीम (2024):** “Sustainable Shipping: Challenges and Opportunities
- **महत्त्व**
- 1. भारत की समुद्री शक्ति का प्रतीक
- 2. भारत का लगभग 95% व्यापार वॉल्यूम और 70% वैल्यू समुद्र मार्ग से होता है
- 3. भारत के पास 7500 किमी लंबा समुद्र तट और 13 प्रमुख बंदरगाह हैं

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

विषय	विवरण
राष्ट्रीय समुद्री दिवस कब मनाया जाता है	5 अप्रैल हर वर्ष
पहली बार कब मनाया गया	वर्ष 1964 में
2024 में कौन-सा संस्करण था	61वां राष्ट्रीय समुद्री दिवस
इस दिन की शुरुआत क्यों हुई	भारत के पहले स्वदेशी जहाज 'एसएस लॉयल्टी' ने 5 अप्रैल 1919 को मुंबई से इंग्लैंड के लिए अपनी पहली यात्रा शुरू की थी

- 4. सागरमाला योजना और भारत मेरीटाइम विज़न 2030 जैसे मिशनों का समर्थन
- 5. नीली अर्थव्यवस्था और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से जुड़ाव
- **प्रमुख पहल:**
- Sagarmala Project: बंदरगाह आधारित विकास
- Maritime India Vision 2030: भारत को वैश्विक समुद्री केंद्र बनाना
- IMO (International Maritime Organization) में भारत की सक्रिय भागीदारी
- International Day of the Seafarer: 25 जून (Global स्तर पर)

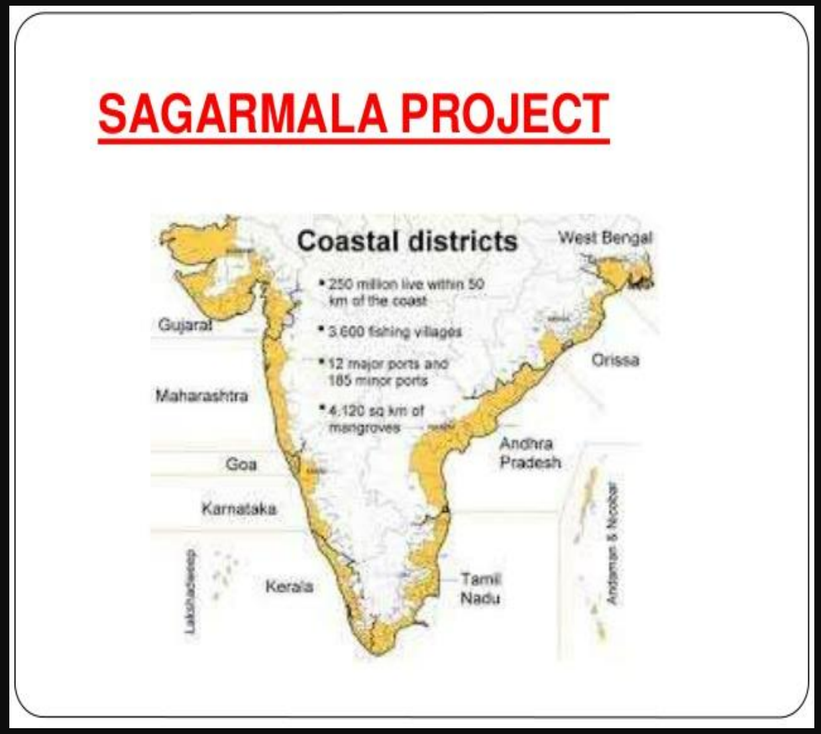

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

- **विश्व समुद्री दिवस –संक्षिप्त नोट्स**
- **मुख्य तथ्य**
- **2024 की थीम:** "Navigating the Future: Safety First!"
- (भविष्य की ओर मार्गदर्शन: सुरक्षा सर्वोपरि)
- **उद्देश्य:**
- वैश्विक समुद्री उद्योग के महत्व को उजागर करना
- समुद्री सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, और शिपिंग इंडस्ट्री की स्थिरता को बढ़ावा देना
- IMO द्वारा निर्धारित अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों और मानकों पर ध्यान केंद्रित करना

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

विषय	विवरण
स्थापना	1948 (संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी)
मुख्यालय	लंदन, यूनाइटेड किंगडम
भारत सदस्य बना	वर्ष 1959 में

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Result Mitra

- **महत्त्व :**
- 1. वैश्विक व्यापार का 80% से अधिक हिस्सा समुद्री मार्ग से होता है
- 2. IMO के नियम वैश्विक समुद्री परिवहन की संरचना तय करते हैं
- 3. समुद्री सुरक्षा, तेल रिसाव, प्रदूषण, और नाविकों के अधिकारों जैसे विषयों पर जागरूकता
- 4. भारत जैसे देशों के लिए जहां व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्र से होता है – यह दिवस रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Result Mitra

- **भारत की पहल:**
- Maritime India Vision 2030
- Sagarmala Project
- Deep Sea Fishing Policy
- Coastal Economic Zones (CEZs)
- IMO में भारत की भूमिका और उम्मीदवार भेजना

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: राष्ट्रीय समुद्री दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह हर साल 5 अप्रैल को मनाया जाता है।
2. इसकी शुरुआत भारतीय समुद्री क्षेत्र में पहले स्वदेशी जहाज के संचालन की स्मृति में हुई थी।
3. यह दिन 'SS Loyalty' जहाज के बॉम्बे से लंदन की पहली यात्रा की वर्षगांठ है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

राष्ट्रीय समुद्री दिवस

Daily Current News

Result Mitra

उत्तर: D) 1, 2 और 3

व्याख्या:

• 5 अप्रैल 1919 को 'SS Loyalty' नामक जहाज ने बॉम्बे से लंदन के लिए यात्रा शुरू की थी।

• यह भारतीय शिपिंग कंपनी Scindia Steam Navigation Company द्वारा संचालित पहला स्वदेशी जहाज था।

• इसी ऐतिहासिक दिन की स्मृति में 5 अप्रैल को राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण" सम्मान

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: नरेंद्र मोदी को निम्नलिखित में से कौन-कौन से देशों द्वारा उनके सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाज़ा गया है?

1. रूस Order of St. Andrew
2. सऊदी अरब King Abdulaziz Sash
3. संयुक्त अरब अमीरात - Order of Zayed
4. अमेरिका Presidential Medal of Freedom

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1, 2 और 3
B) केवल 1 और 4
C) केवल 2, 3 और 4
D) उपरोक्त सभी

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Result Mitra

- **1. सम्मान का उद्देश्य:**
- "मित्र विभूषण" श्रीलंका द्वारा किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष को दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- यह सम्मान मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक संबंधों के लिए दिया जाता है।

- **2. सम्मान की शुरुआत:**
- यह सम्मान 2008 में प्रारंभ किया गया था।
- अब तक यह केवल चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय नेताओं को प्रदान किया गया है।
- **3. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान:**
- 2025 में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया।
- यह भारत-श्रीलंका के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों की मान्यता है।

- **4. सम्मान की विशेष डिजाइन:**
- धर्म चक्र – साझा बौद्ध विरासत और भारत-श्रीलंका की सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक।
- नवरत्न (9 रत्न) – दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता का प्रतीक।
- कमल की पंखुड़ियों में ग्लोब – शांतिपूर्ण सहयोग और वैश्विक सोच को दर्शाता है।
- सूर्य और चंद्रमा – कालातीत मित्रता का संकेत (प्राचीन से भविष्य तक)।

- **5. महत्त्व :**
- यह सम्मान भारत की 'Neighbourhood First' नीति को मजबूती देता है।
- दक्षिण एशिया में भारत की सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रतीक है।
- भारत-श्रीलंका संबंधों में सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक गहराई को दर्शाता है।

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

- **पीएम मोदी को विश्वभर से मिले अन्य सम्मान :-**
- सऊदी अरब का ऑर्डर ऑफ अब्दुलअजीज अल सऊद पुरस्कार -2016
- अफगानिस्तान का स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान पुरस्कार -2016
- सियोल शांति पुरस्कार - 2018
- फिलिस्तीन का ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन पुरस्कार -2018

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

- मालदीव का ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रुल ऑफ निशान इज्जुद्दीन पुरस्कार -2019
- बहरीन का द किंग हमद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां सम्मान -2019
- संयुक्त अरब अमीरात ने ऑर्डर ऑफ जायद पुरस्कार -2019
- संयुक्त राज्य अमेरिका का'लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार -2020
- पलाऊ का एबाकल पुरस्कार- 2023
- फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी' -2023

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

- पापुआ न्यू गिनी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू' 2023
- मिस्र का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द नाइल'-2023
- फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'लीजन ऑफ ऑनर -2023
- ग्रीस का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ऑनर'-2023
- भूटान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो - 2024
- रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल है। घोषणा:– 2019, प्राप्त :– 2024

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

- **ये अवार्ड भी है भारत के प्रधान मंत्री के नाम :-**
- संयुक्त राष्ट्र चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवार्ड (2018)
- पहला फिलिप कोटलर प्रेसिडेंशियल अवार्ड (2019)
- बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड (2019)
- ग्लोबल एनर्जी एंड एन्वायरन्मेंट लीडरशिप अवार्ड (2021)

नरेंद्र मोदी को श्रीलंका का "मित्र विभूषण"

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: नरेंद्र मोदी को निम्नलिखित में से कौन-कौन से देशों द्वारा उनके सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाज़ा गया है?

1. रूस Order of St. Andrew
2. सऊदी अरब King Abdulaziz Sash
3. संयुक्त अरब अमीरात - Order of Zayed
4. अमेरिका Presidential Medal of Freedom

सही विकल्प चुनिए:

A) केवल 1, 2 और 3
B) केवल 1 और 4
C) केवल 2, 3 और 4
D) उपरोक्त सभी

उत्तर: A) केवल 1, 2 और 3
व्याख्या:
Order of St. Andrew (रूस) रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 2019 में मोदी जी को मिला।
• King Abdulaziz Sash (सऊदी अरब) - 2016 में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।
Order of Zayed (UAE) 2019 में मिला।
• Presidential Medal of Freedom (USA) यह अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, लेकिन अभी तक किसी भारतीय प्रधानमंत्री को नहीं मिला है।

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: वाट फो मंदिर (Wat Pho Temple) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह थाईलैंड के बैंकॉक में स्थित है।
2. यह मंदिर विश्व की सबसे बड़ी लेटी हुई बुद्ध प्रतिमा (Reclining Buddha) के लिए प्रसिद्ध है।
3. इसे थाईलैंड का पहला सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ पारंपरिक थाई चिकित्सा और मालिश की शिक्षा दी जाती है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

Result Mitra

- **1. स्थान और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
- **स्थित:** बैंकॉक, थाईलैंड के रत्तनकोसिन द्वीप पर, ग्रैंड पैलेस के पास।
- यह मंदिर चकरी राजवंश के प्रथम राजा राम प्रथम के शासनकाल (1782–1809) में प्रमुखता से स्थापित किया गया था।
- बाद में राजा राम III ने मंदिर का बड़ा पुनर्निर्माण और विस्तार करवाया।

- **2. मुख्य विशेषताएँ:**
- A. लेटे हुए बुद्ध की मूर्ति (Reclining Buddha):
- 46 मीटर लंबी और 15 मीटर ऊँची।
- सोने की परत से ढकी हुई।
- बुद्ध के निर्वाण (Parinirvana) अवस्था को दर्शाती है।

- **B. वास्तुकला:**
- मंदिर में थाई, इंडो-चाइनीज़ और बर्मी वास्तुकला का मिश्रण देखने को मिलता है।
- परिसर में 1000 से अधिक बुद्ध प्रतिमाएँ हैं, जो थाईलैंड में सबसे बड़ी संख्या है।
- **C. पारंपरिक थाई चिकित्सा केंद्र:**
- वाट फो को थाई पारंपरिक चिकित्सा और मसाज की जन्मस्थली माना जाता है।
- यह मंदिर थाईलैंड का पहला सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी है, जहाँ आज भी पारंपरिक चिकित्सा, ज्योतिष और योग की शिक्षा दी जाती है।

- **3. धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व:**
- यह "प्रथम श्रेणी का शाही मंदिर" (First Grade Royal Monastery) है।
- थाईलैंड में बौद्ध धर्म के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्रों में से एक।
- यह मंदिर थाई विरासत, चिकित्सा और धर्म के अद्वितीय समन्वय का प्रतीक है।

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

Result Mitra

- **उपयोगी बिंदु :**
- 1. वाट फो मंदिर थाईलैंड का सबसे पुराना और सबसे बड़ा मंदिर परिसरों में से एक है।
- 2. इसे Reclining Buddha Temple भी कहा जाता है।
- 3. यह मंदिर UNESCO की Memory of the World Program में शामिल है (थाई चिकित्सा पांडुलिपियों के कारण)।
- 4. इसमें थाई मसाज की औपचारिक शिक्षा दी जाती है – यह एकमात्र मंदिर है जहाँ ऐसा होता है।

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

Result Mitra

- **भारत-थाईलैंड संबंधों में प्रासंगिकता:**
- प्रधानमंत्री की यात्रा इस मंदिर में भारतीय और थाई सांस्कृतिक मूल्यों की साझी बौद्ध विरासत को दर्शाती है।
- यह यात्रा भारत की "Act East Policy", बौद्ध सर्किट और सांस्कृतिक कूटनीति (Cultural Diplomacy) का हिस्सा है।
- भारत और थाईलैंड दोनों बौद्ध धर्म के अनुयायी देश हैं, जिससे ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संबंध और भी गहरे हैं।

वाट फो मंदिर (Wat Pho)

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: वाट फो मंदिर (Wat Pho Temple) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह थाईलैंड के बैंकॉक में स्थित है।
2. यह मंदिर विश्व की सबसे बड़ी लेटी हुई बुद्ध प्रतिमा (Reclining Buddha) के लिए प्रसिद्ध है।
3. इसे थाईलैंड का पहला सार्वजनिक विश्वविद्यालय भी कहा जाता है क्योंकि यहाँ पारंपरिक थाई चिकित्सा और मालिश की शिक्षा दी जाती है।
उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: D) 1, 2 और 3
व्याख्या:
• कथन 1 सही है: Wat Pho थाईलैंड की राजधानी
बैंकॉक में स्थित है।
कथन 2 सही है: यह मंदिर अपनी विशाल Reclining
• Buddha Statue के लिए विश्वप्रसिद्ध है, जो लगभग 46 मीटर लंबी है।
कथन 3 सही है: Wat Pho को थाईलैंड का पहला
सार्वजनिक विश्वविद्यालय माना जाता है क्योंकि यहाँ परंपरागत थाई चिकित्सा और थाई मसाज
की शिक्षा दी जाती है।

Result Mitra
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 311: सिविल सेवकों की सुरक्षा

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: अनुच्छेद 311 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह केंद्र और राज्य सरकारों के अधीन सिविल सेवकों की सुरक्षा से संबंधित है।
2. इसके अंतर्गत बिना जांच के किसी भी सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त किया जा सकता है।
3. यह संविधान के भाग XIV का हिस्सा है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Daily Current News

Result Mitra

- **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 311: सिविल सेवकों की सुरक्षा**
- अनुच्छेद 311 भारत के संविधान में सिविल सेवकों को अनुचित बर्खास्तगी, पद से हटाने या पदावनति से बचाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान है।
- इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों को मनमानी कार्यवाही से संरक्षण देना है।

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Daily Current News

Result Mitra

- **मुख्य बिंदु:**
- **अनुच्छेद 311(1):**
- कोई भी व्यक्ति जो संघ या राज्य की सिविल सेवाओं में नियुक्त है, उसे उस प्राधिकारी के अधीनस्थ कोई अन्य अधिकारी बर्खास्त या पद से नहीं हटा सकता, जिसने उसे नियुक्त किया था।
- इसका मतलब है कि किसी कर्मचारी को केवल उसके नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा ही बर्खास्त या हटाया जा सकता है, कोई अन्य अधिकारी ऐसा नहीं कर सकता।

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Result Mitra

- **अनुच्छेद 311(2):**
- यदि किसी कर्मचारी को बर्खास्त किया जाना है, पद से हटाया जाना है या पदावनत किया जाना है, तो:
- उसे अपने पक्ष में सुनवाई का उचित अवसर मिलना चाहिए।
- यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन सुनिश्चित करता है।

- **कुछ अपवाद (जहाँ सुनवाई की आवश्यकता नहीं होती):**
- 311(2) में कुछ परिस्थितियाँ हैं जहाँ सुनवाई का अवसर दिए बिना कार्यवाही की जा सकती है:
- 1. जहाँ कर्मचारी की उपस्थिति प्रशासन के लिए हानिकारक हो।
- 2. जहाँ अपराध कोर्ट द्वारा सिद्ध हो चुका हो।
- 3. जहाँ यह साबित हो जाए कि सुनवाई देना प्रशासन के हित में नहीं है।

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Daily Current News

Result Mitra

- **महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णय:**
- सुप्रीम कोर्ट का फैसला: झारखंड राज्य बनाम रुक्मा केश मिश्रा (2024)
- **सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि:**
- अनुच्छेद 311(1) के अंतर्गत अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए नियुक्ति प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक नहीं है।
- लेकिन यदि किसी कर्मचारी को बर्खास्त करना हो, तो यह कार्य केवल नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी द्वारा ही किया जा सकता है।

सिविल सेवकों की सुरक्षा

Daily Current News

Result Mitra

प्रश्न 1: अनुच्छेद 311 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. यह केंद्र और राज्य सरकारों के अधीन सिविल सेवकों की सुरक्षा से संबंधित है।
2. इसके अंतर्गत बिना जांच के किसी भी सरकारी कर्मचारी को बर्खास्त किया जा सकता है।
3. यह संविधान के भाग XIV का हिस्सा है।
उपयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
A) केवल 1 और 2
B) केवल 1 और 3
C) केवल 2 और 3
D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 1 और 3
व्याख्या: अनुच्छेद 311 सिविल सेवकों को मनमाने तरीके से बर्खास्त होने से सुरक्षा प्रदान करता है। इसके तहत जांच अनिवार्य होती है, जब तक कि कुछ विशेष परिस्थितियाँ न हों। यह भाग XIV (सेवाएं) में आता है।

Thank
you